चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	31-10-24	4	6-8

दैनिक भास्कर

बारानी क्षेत्रों में गेहूं की सी-306 और कम सिंचित इलाकों में डब्ल्यूएच-1080, 1025 किस्में उपयुक्त

प्रदेश में गेहूं की पछेती बिजाई 26 नवंबर से 25 दिसंबर तक की जा सकेगी

पछेती गेहूं के लिए डब्ल्यूएच 1021, 1124, डीबीडब्ल्यू 90, एचडी 3059 करें प्रयोग

भास्कर न्यूज | हिसार

बारानी इलाकों में गेहूं की सी-306 की बिजाई का उपयुक्त समय है। अक्टूबर के अंतिम सप्ताह से नवंबर के पहले सप्ताह तक इस गेहूं की बिजाई करें। कम उपजाऊ, कम सिंचित दशा व बारानी क्षेत्रों के लिए डब्ल्यूएच 1080 एवं डब्ल्यूएच-1025 का प्रयोग भी कर सकते हैं। मध्यम उपजाऊ व कम सिंचित दशा के लिए डब्ल्यूएच-1142 एवं डब्ल्यूएच-147 का प्रयोग करें।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि सिंचित उपजाऊ भूमि में अगेती व समय पर बिजाई के लिए 25 अक्तूबर से 5 नवम्बर तक डब्ल्यूएच-1105, डब्ल्यूएच-1184, डब्ल्यूएच-1270, एचडी-2967, डीबीडब्ल्य-88, डीपीडब्ल्यू 621-50, एचडी 3086, डब्ल्यूएच-283, पीबीडब्ल्यू-550, डब्ल्यूएच-542 की सिफारिश की जाती है। पछेती बिजाई 26 नवंबर से 25 दिसंबर तक की जा सकती है। पछेती गेहूं के लिए डब्ल्यूएच-1021, डब्ल्यूएच91124, डीबीडब्ल्यू-90, एचडी-3059 एवं राज 3765 किस्मों का प्रयोग करें। कठिया गेहूं के लिए डब्ल्यूएच-896, डब्ल्यूएच-912, डब्ल्यूएचडी-943 किस्मों का प्रयोग करें। पीला रतुआ प्रभावित हरियाणा के उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में किसान पीबीडब्ल्यू-343, पीबीडब्ल्यू-373, डब्ल्यूएच-711, एचडी-2851, डीबीडब्ल्यू-17, सुपर, बरबट किस्में न उगाएं, क्योंकि ये किस्में पीला रतुआ रोग के लिए अत्यंत रोगग्राही हैं। पछेती बिजाई के लिए 50 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ पर्याप्त है। बिजाई कतारों में, खाद-बीज ड्रिल या पोरा विधि से 20 सैंटीमीटर की दूरी पर करें। ध्यान रहे कि देसी किस्मों की बिजाई लगभग 6-7 सैंटीमीटर तथा बौनी किस्मों की बिजाई 5-6 सैंटीमीटर से अधिक गहरी न करें।

खरपतवारों की रोकथाम के लिए 2,4-डी का प्रयोग करें

खरपतवारों की रोकथाम के लिए फसल की शुरू की बढ़वार में लगभग 30 दिन के अंदर ही एक बार निराई-गुड़ाई करें। यदि खरपतवारों की रोकथाम शाकनाशकों द्वारा करनी हो तो चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों की रोकथाम के लिए 2,4-डी का प्रयोग करें। इसके लिए 250 ग्राम 2, 4-डी सोडियम साल्ट 80 प्रतिशत को या 300 मिली 2,4-डी एस्टर 34.6 प्रतिशत या एलग्रीप 8 ग्राम 250 लीटर पानी में मिलाकर एक एकड़ में छिड़काव करें। गेहूं में मालवा, जंगली पालक, हिरणखुरी व अन्य चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के नियंत्रण हेतु कारफेनट्राजोन ईथाइल (एफिनिटी) 40 प्रतिशत डीएफ की 20 ग्राम प्रति एकड़ या सभी प्रकार के चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के नियंत्रण हेतु लेनफिडा मेटसल्फ्यूरॉन 10 प्रतिशत, कारफेनट्राजोन 40 प्रतिशत मिश्रण की 20 ग्राम मात्रा प्रति एकड़ 0.2 प्रतिशत सहायक पदार्थ के हिसाब से 200-250 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

गेहूं की फसल का फाइल फोटो।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	31.10.24	5	2-3

निस्वार्थ भाव से की गई सेवा, सार्थक होती है : बीआर काम्बोज

हकृवि में सेवा प्रबोधन' कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज सम्मान देते हुए।

जासं ● हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में युवा एंड सेवा फाउंडेशन, हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में 'सेवा प्रबोधन' कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्यातिथि थे।

मुख्य वक्ता के तौर पर गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के काउंसिलिंग एवं प्लेसमेंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह उपस्थित रहे। मुख्यातिथि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि निस्वार्थ भाव से की सेवा सार्थक होती है।

मुख्य वक्ता प्रताप सिंह ने कहा कि भारत देश की सभ्यता, इसकी संस्कृति और इसके जीवन मूल्य गहराई से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि हमारे 18 पुराणों का निचोड़ कुछ है तो वह परोपकार और दूसरों की सेवा है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद कहते थे कि नर सेवा ही नारायण की सेवा है। उन्होंने कहा कि मानव सेवा ही माधव की सेवा है। तुलसीदास जी ने कहा है कि दूसरों के हित, दूसरों की सेवा तथा दूसरों का कल्याण करना सबसे बड़ा धर्म है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	31.10.24	6	7-8

• एचएयू में 'सेवा प्रबोधन' कार्यक्रम हुआ

नि:स्वार्थ भाव से की गई सेवा, सार्थक होती है : प्रो. काम्बोज

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में युवा एंड सेवा फाउंडेशन, हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में 'सेवा प्रबोधन' कार्यक्रम किया गया। इसमें विवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि थे। मुख्य वक्ता के तौर पर जीजेयू के काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह उपस्थित रहे।

मुख्यातिथि कुलपति प्रो. बीआर. काम्बोज ने कहा कि जैसे टेक्नोलॉजी का विकास होने से समय की जो बचत होती है क्या हम उस समय का सदुपयोग कर पा रहे हैं, ये सोचने का विषय है।

उन्होंने कहा कि युवा में आत्मविश्वास होना चाहिए। युवाओं को सोचना चाहिए कि किसी भी परिस्थिति में कितनी भी कठिनाई आए, हमें अपने लक्ष्य तक पहुंचना है। मेहनत करने से सफलता अवश्य मिलती है। लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए मेहनत और निरंतरता बहुत जरूरी है। लक्ष्य को निर्धारित करके अपना हर कार्य करना चाहिए। कोई भी कार्य जो हम दूसरों के परोपकार के लिए करते हैं वो सेवा ही है। सेवा भाव हमारे संस्कारों में शामिल है। जब तक हम सिर्फ दूसरे की भलाई की भावना से किसी की सहायता करते हैं तब तक वह परोपकारी कार्य है, परंतु जैसे ही हम उसे ईश्वर का कार्य समझ कर करते हैं, तब वह सेवा बन जाता है। जो बिना किसी शर्त व नि:स्वार्थ भाव से की जाए वही सेवा सार्थक होती है। सेवा ही पुण्य का काम है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	31.10.25	4	3-6

लक्ष्य तक पहुंचने के लिए मेहनत और निरंतरता जरूरी : प्रो. कांबोज

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'सेवा प्रबोधन' कार्यक्रम आयोजित

माई सिटी रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में उपस्थित मुख्य अतिथि प्रो. बीआर कांबोज, मुख्य वक्ता प्रताप सिंह व अन्य। स्रोत : आयोजक

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में युवा व सेवा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 'सेवा प्रबोधन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्यातिथि कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए मेहनत और निरंतरता बहुत जरूरी है।

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज मुख्यातिथि थे जबकि मुख्य वक्ता के तौर पर गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह उपस्थित रहे। तकनीक का विकास होने से समय की जो बचत होती है क्या हम उस समय का सदुपयोग कर पा रहे हैं, ये सोचने का विषय है।

युवाओं में आत्मविश्वास होना चाहिए। उन्हें सोचना चाहिए कि किसी भी परिस्थिति में कितने भी कठिनाई आए, हमें अपने लक्ष्य तक पहुंचना है। मेहनत करने से सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने कहा कि लक्ष्य को निर्धारित करके अपना हर कार्य करना चाहिए। मुख्य वक्ता प्रताप सिंह ने कहा कि भारत देश की सभ्यता, इसकी संस्कृति और इसके जीवन मूल्य गहराई से जुड़े हुए हैं। उन्होंने स्वामी विवेकानंद का उदाहरण देते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद कहते थे कि नर सेवा ही नारायण की सेवा है। भारत युवाओं का देश है और 65 प्रतिशत आबादी हमारे युवाओं की है। अगर हमें अपने देश को विश्व गुरु बनाना है तो युवाओं में सेवा का भाव होना बहुत जरूरी है।

युवा जो इस देश की ताकत है उनमें सेवा का भाव जागृत होना बहुत जरूरी है। सेवा करने से हमारे भीतर विनम्रता आती है और हमारा अहंकार दूर होने लगता है। सेवा प्रबोधन से जुड़े वीरेंद्र व हेमंत भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	31.10.24	2	3-5

निस्वार्थ भाव से की गई सेवा, सार्थक होती है : प्रो.काम्बोज

कार्यक्रम में उपस्थित मुख्यातिथि, मुख्य वक्ता एवं अन्य।

हकृवि में 'सेवा प्रबोधन' कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 30 अक्तूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में युवा एंड सेवा फाउंडेशन, हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में 'सेवा प्रबोधन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कृषि महाविद्यालय के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि थे जबकि मुख्य वक्ता के तौर पर गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह उपस्थित रहे।

मुख्यातिथि कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि जैसे टेक्नोलॉजी का विकास होने से समय की जो बचत होती है क्या हम उस समय का सदुपयोग कर पा रहे हैं, ये सोचने का विषय है।

उन्होंने कहा कि युवा में आत्मविश्वास होना चाहिए। युवाओं को सोचना चाहिए कि किसी भी परिस्थिति में कितने भी कठिनाई आए, हमें अपने लक्ष्य तक पहुंचना है। मेहनत करने से सफलता अवश्य मिलती है। लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए मेहनत और निरंतरता बहुत जरूरी है।

उन्होंने कहा कि लक्ष्य को निर्धारित करके अपना हर कार्य करना चाहिए। कोई भी कार्य जो हम दूसरों के परोपकार के लिए करते हैं वो सेवा ही है। सेवा भाव हमारे संस्कारों में शामिल है।

जब तक हम सिर्फ दूसरे की भलाई की भावना से किसी की सहायता करते हैं तब तक वह परोपकारी कार्य है, परंतु जैसे ही हम उसे ईश्वर का कार्य समझ कर करते हैं, तब वह सेवा बन जाता है।

उन्होंने कहा कि जो बिना किसी शर्त व निस्वार्थ भाव से की जाए वही सेवा सार्थक होती है।

सेवा ही पुण्य का काम है। उन्होंने महान वैज्ञानिक एडिसन का उदाहरण देते हुए कहा कि 1000 बार असफल होने के बाद उन्होंने बल्ब का आविष्कार किया, अगर वह यह प्रयास न करते तो आज यह रोशनी हमें देखने को ना मिलती। जीवन में सकारात्मक सोच के साथ चलोगे तो लक्ष्य की प्राप्ति होगी। उन्होंने युवाओं से प्रेरणादायी पुस्तकें पढ़ने का भी आह्वान किया।

दूसरों की भलाई के लिए किया गया कार्य ही सेवा : प्रताप सिंह

मुख्य वक्ता प्रताप सिंह ने कहा कि भारत देश की सभ्यता, इसकी संस्कृति और इसके जीवन मूल्य गहराई से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि हमारे 18 पुराणों का निचोड़ कुछ है तो वह परोपकार और दूसरों की सेवा है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद का उदाहरण देते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद जी कहते थे कि नर सेवा ही नारायण की सेवा है।

उन्होंने कहा कि मानव सेवा ही माधव की सेवा है। तुलसीदास जी ने कहा है कि दूसरो के हित, दूसरों की सेवा तथा दूसरों का कल्याण करना इससे बड़ा धर्म कोई नहीं है। भारत युवाओं का देश है और 65 प्रतिशत आबादी हमारे युवाओं की है। अगर हमें अपने देश को विश्व गुरु बनाना है तो युवाओं में सेवा का भाव होना बहुत जरूरी है। युवा जो इस देश की ताकत है उनमें सेवा का भाव जागृत होना बहुत जरूरी है। युवा और सेवा का आपस में बहुत गहरा संबंध है। सेवा प्रबोधन से जुड़े वीरेन्द्र व हेमंत भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	31.10.25	15	3-8

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'सेवा प्रबोधन' कार्यक्रम आयोजित

सफलता के लिए समय का सदुपयोग करना सीखें: वीसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा है कि जैसे टेक्नोलॉजी का विकास होने से समय की जो बचत होती है क्या हम उस समय का सदुपयोग कर पा रहे हैं, ये सोचने का विषय है। उन्होंने कहा कि युवा में आत्मविश्वास होना चाहिए। युवाओं को सोचना चाहिए कि किसी भी परिस्थिति में कितनी भी कठिनाई आए, हमें अपने लक्ष्य तक पहुंचना है। कुलपति प्रो. काम्बोज बुधवार को एचएयू में युवा एंड सेवा फाउंडेशन, हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'सेवा प्रबोधन' कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। मुख्य वक्ता के तौर पर गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह उपस्थित रहे। कुलपति ने कहा कि मेहनत करने से सफलता अवश्य मिलती है। लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए मेहनत और निरंतरता बहुत जरूरी है।

हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्यातिथि, मुख्य वक्ता एवं अन्य। फोटो: हरिभूमि

युवाओं में सेवा का भाव होना बहुत जरूरी

मुख्य वक्ता प्रताप सिंह ने कहा कि भारत देश की सभ्यता, इसकी संस्कृति और इसके जीवन मूल्य गहराई से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि हमारे 18 पुराणों का निचोड़ कुछ है तो वह परोपकार और दूसरों की सेवा है। उन्होंने कहा कि भारत युवाओं का देश है और 65 प्रतिशत आबादी हमारे युवाओं की है। अगर हमें अपने देश को विश्व गुरु बनाना है तो युवाओं में सेवा का भाव होना बहुत जरूरी है। युवा जो इस देश की ताकत है उनमें सेवा का भाव जागृत होना बहुत जरूरी है। युवा और सेवा का आपस में बहुत गहरा संबंध है। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य है कि युवा सेवा के भाव को समझे। उन्होंने युवाओं से कहा कि हमारे भीतर सेवा का जुनून होना चाहिए। सेवा को अपने स्वभाव में लाने की आवश्यकता है। सेवा छोटी या बड़ी नहीं होती, हम किसी की मदद करके, किसी भूखे को खाना खिलाकर, प्यासे को पानी पिलाकर भी सेवा कर सकते हैं। सेवा प्रबोधन से जुड़े वीरेन्द्र व हेमंत भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

निर्धारित करें लक्ष्य

विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि लक्ष्य को निर्धारित करके अपना हर कार्य करना चाहिए। कोई भी कार्य जो हम दूसरों के परोपकार के लिए करते हैं वो सेवा ही है। सेवा भाव हमारे संस्कारों में शामिल है। जब तक हम सिर्फ दूसरे की भलाई की भावना से किसी की सहायता करते हैं तब तक वह परोपकारी कार्य है, परंतु जैसे ही हम उसे ईश्वर का कार्य समझ कर करते हैं, तब वह सेवा बन जाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	30.10.2024	--	--

निस्वार्थ की गई सेवा, सार्थक होती है : प्रो. काम्बोज

हकृवि में 'सेवा प्रबोधन' कार्यक्रम आयोजित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में युवा एंड सेवा फाउंडेशन, हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में 'सेवा प्रबोधन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कृषि महाविद्यालय के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि थे जबकि मुख्य वक्ता के तौर पर गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह उपस्थित रहे।

मुख्यातिथि ने कहा कि जैसे टेक्नोलॉजी का विकास होने से समय की जो बचत होती है क्या हम उस समय का सदुपयोग कर पा रहे हैं, ये सोचने का विषय है। उन्होंने कहा कि युवा में आत्मविश्वास होना चाहिए। युवाओं को सोचना चाहिए कि किसी भी परिस्थिति में कितने भी कठिनाई आए, हमें अपने लक्ष्य तक पहुंचना है। मेहनत करने से सफलता अवश्य मिलती है। लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए मेहनत और निरंतरता बहुत जरूरी है।

उन्होंने कहा कि लक्ष्य को निर्धारित करके अपना हर कार्य करना चाहिए। कोई भी कार्य जो हम दूसरों के परोपकार के लिए करते हैं वो सेवा ही है। सेवा भाव हमारे संस्कारों में शामिल है। जब तक हम सिर्फ दूसरे की भलाई की भावना से किसी की सहायता करते हैं तब तक वह परोपकारी कार्य है, परंतु जैसे ही हम उसे ईश्वर का कार्य समझ कर करते हैं, तब वह सेवा बन जाता है। उन्होंने कहा कि जो बिना किसी शर्त व निस्वार्थ भाव से की जाए वही सेवा सार्थक होती है। सेवा ही पुण्य का काम है।

उन्होंने महान वैज्ञानिक एडिसन का उदाहरण देते हुए कहा कि 1000 बार असफल होने के बाद उन्होंने बल्ब का आविष्कार किया, अगर वह यह प्रयास न करते तो आज यह रोशनी हमें देखने को ना मिलती। जीवन में सकारात्मक सोच के साथ चलोगे तो लक्ष्य की प्राप्ति होगी। उन्होंने युवाओं से प्रेरणादायी पुस्तकें पढ़ने का भी आह्वान किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	31.10.24	7	1-2

हकृवि में 'सेवा प्रबोधन' कार्यक्रम में कुलपति बोले

निस्वार्थ भाव से की गई सेवा ही हमेशा होती है सार्थक

हिसार, 30 अक्तूबर (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में युवा एंड सेवा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 'सेवा प्रबोधन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कृषि महाविद्यालय के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि थे जबकि मुख्य वक्ता के तौर पर गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि जैसे टेक्नोलॉजी का विकास होने से समय की बचत होती है, क्या हम उस समय का सदुपयोग कर पा रहे हैं, ये सोचने का विषय है। युवा में आत्मविश्वास होना चाहिए। युवाओं को सोचना चाहिए कि किसी भी परिस्थिति में कितने भी कठिनाई आए, हमें अपने लक्ष्य तक पहुंचना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	30.10.2024	--	--

निस्वार्थ भाव से की गई सेवा, सार्थक होती है : प्रो. बी.आर. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्व विद्यालय में युवा एंड सेवा फाउंडेशन, हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में 'सेवा प्रबोधन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कृषि महाविद्यालय के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि थे जबकि मुख्य वक्ता के तौर पर गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सैल के निदेशक श्री प्रताप सिंह उपस्थित रहे। मुख्यातिथि कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि जैसे टेक्नोलॉजी का विकास होने से समय की जो बचत होती है क्या हम उस समय का सदुपयोग कर पा रहे हैं, ये सोचने का विषय है। उन्होंने कहा कि युवा में आत्मविश्वास होना चाहिए। युवाओं को सोचना चाहिए कि किसी भी परिस्थिति में कितने भी कठिनाई आए, हमें अपने लक्ष्य तक पहुंचना है। मेहनत करने से सफलता अवश्य मिलती है। लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए मेहनत और निरंतरता बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि लक्ष्य को निर्धारित करके अपना हर कार्य करना चाहिए। कोई भी कार्य जो हम दूसरों के परोपकार के लिए करते हैं वो सेवा ही है। सेवा भाव हमारे संस्कारों में शामिल है। जब तक हम सिर्फ दूसरे की भलाई की भावना से किसी की सहायता करते हैं तब तक वह परोपकारी कार्य है, परंतु जैसे ही हम उसे ईश्वर का कार्य समझ कर करते हैं, तब वह सेवा बन जाता है। उन्होंने कहा कि जो बिना किसी शर्त व निस्वार्थ भाव से की जाए वही सेवा सार्थक होती है। सेवा ही पुण्य का काम है। उन्होंने महान वैज्ञानिक

एडिसन का उदाहरण देते हुए कहा कि 1000 बार असफल होने के बाद उन्होंने बल्ब का आविष्कार किया, अगर वह यह प्रयास न करते तो आज यह रोशनी हमें देखने को ना मिलती। जीवन में सकारात्मक सोच के साथ चलोगे तो लक्ष्य की प्राप्ति होगी। उन्होंने युवाओं से प्रेरणादायी पुस्तकें पढ़ने का भी आह्वान किया।

दूसरों की भलाई के लिए किया गया कार्य ही सेवा : प्रताप सिंह

मुख्य वक्ता प्रताप सिंह ने कहा कि भारत देश की सभ्यता, इसकी संस्कृति और इसके जीवन मूल्य गहराई से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि हमारे 18 पुराणों का निचोड़ कुछ है तो वह परोपकार और दूसरों की सेवा है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद का उदाहरण देते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद जी कहते थे कि नर सेवा ही नारायण की सेवा है। उन्होंने कहा कि मानव सेवा ही माधव की सेवा है। तुलसीदास जी ने कहा है कि दूसरों के हित, दूसरों की सेवा तथा दूसरों का कल्याण करना इससे बड़ा धर्म कोई नहीं है। भारत युवाओं का देश है और 65 प्रतिशत आबादी हमारे युवाओं की है। अगर हमें अपने देश को विश्व गुरु बनाना है तो युवाओं में सेवा का भाव होना बहुत जरूरी है। युवा जो इस देश की ताकत है उनमें सेवा का भाव जागृत होना बहुत जरूरी है। युवा और सेवा का आपस में बहुत गहरा संबंध है। सेवा से समाज में समरसता आती है। समाज में सेवा का का भाव हो तो इससे समाज एकजुट रहता है। सहानुभूति और समानुभूति यह दोनों भाव हमारे भीतर आते हैं जब हम दूसरों के लिए सेवा भाव रखते हैं। सेवा करने से हमारे भीतर विनम्रता आती है और हमारा अहंकार दूर होने लगता है। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य है कि युवा सेवा के भाव को समझे। उन्होंने युवाओं से कहा कि हमारे भीतर सेवा का जुनून होना चाहिए। सेवा को अपने स्वभाव में लाने की आवश्यकता है। सेवा छोटी या बड़ी नहीं होती, हम किसी की मदद करके, किसी भूखे को खाना खिलाकर, प्यासे को पानी पिलाकर भी सेवा कर सकते हैं। हम एनजीओ या संगठन बनाकर भी सेवा का कार्य कर सकते हैं। मनुष्य जीवन की सार्थकता यही है कि वह सेवा कर सकता है, भक्ति कर सकता है। सेवा प्रबोधन से जुड़े वीरेन्द्र व हेमंत भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	31.10.25	1	6-7

एचएयू में हरियाणवीं कल्चर की दिखेगी झलक

एचएयू में एग्रो टूरिज्म सेंटर जल्द ही खुलेगा

यशपाल सिंह | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एग्रीकल्चर टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए गेट नंबर चार के पास बॉटनीकल गार्डन के साथ में एग्रो टूरिज्म सेंटर बनाया जा रहा है। एग्री टूरिज्म के लिए यहां थीम पार्क बनाए गए हैं। इसका उद्देश्य लोगों को ज्यादा से ज्यादा प्रकृति के साथ जोड़ने और यूनिवर्सिटी की कृषि संबंधित रिसर्च व प्रौद्योगिकी से अवगत करवाना है। सेंटर से स्कूल और कॉलेजों के विद्यार्थियों को जैव विविधता के बारे में जानने का अवसर मिलेगा।

यहां ओपन एयर थियेटर का भी निर्माण किया जा रहा है, जिसकी क्षमता 350 लोगों की रहेगी। इस कृषि पर्यटन केंद्र में बॉटनीकल गार्डन, प्रोटीन उद्यान, विटामिन गार्डन, औषधीय उद्यान, एक्वाटिक प्लांट गार्डन भी बनेंगे। वनस्पति विज्ञान और पादप शरीर क्रिया विज्ञान में देसी और विदेशी पौधों की प्रजातियों का संग्रह किया गया है। जैव विविधता वाले करीब 550 पौधों की प्रजातियां यहां देखी जा सकेंगी। यहां ओरनामेंटल फिश एक्विरियम की भी व्यवस्था होगी, जिसमें तरह तरह की मछलियों की जानकारी ली जा सकेगी। गोल्ड फिश जैसी मछलियां यहां रखी जाएंगी। एग्रो टूरिज्म सेंटर में हरियाणवी व्यंजनों का स्वाद भी टूरिस्ट चख सकेंगे। यहां सरसों और बाजरे की रोटी, मक्के का साग, खीर, चूरमा जैसे हरियाणवी व्यंजन पर्यटकों को परोसने की भी प्लानिंग है। यह सब राजस्थान की चोखी ढाणी की तर्ज पर यहां रेस्तरां विकसित करने की प्लानिंग है। प्रकृति की गोद में पर्यटक रुकने का भी लुत्फ ले सकेंगे, इसके लिए सेंटर में स्पेशल कमरे भी बनवाए गए हैं।

एचएयू में बनाया जा रहा एग्रो टूरिज्म सेंटर

*एग्री टूरिज्म सेंटर का उद्देश्य कृषि अनुसंधानों और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना है। पर्यटकों और विद्यार्थियों को यहां जैव विविधता के बारे में जानने का मौका मिलेगा। सेंटर जल्द ही खोला जाएगा।'' **प्रो. बीआर काम्बोज**, वीसी, एचएयू।*

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	31.10.24	5	7-8

हरियाणा में गेहूं की औसत पैदावार 49.25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कृषि शिक्षा प्रत्यायन बोर्ड (नैब) की ओर से सर्वश्रेष्ठ ए प्लस ग्रेड दिया गया है। यह विश्वविद्यालय कृषि शोध संस्थानों में 7वें स्थान पर पहुंच गया है। हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि हरियाणा की गेहूं की औसत पैदावार 49.25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर एवं सरसों की औसत पैदावार 20.58 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है। देश के 60 प्रतिशत से अधिक बासमती चावल का निर्यात केवल हरियाणा से ही होता है और देश के कुल खाद्यान्न में 17 प्रतिशत का योगदान कर रहा है। विवि ने अब तक अन्न, फल, सब्जी, तिलहन और चारा की 295 किस्में विकसित की हैं। हकृवि ने विगत वर्षों में 119 तकनीकों के बौद्धिक संपदा अधिकारों की प्राप्ति हेतु भारतीय पेटेंट की डिजाइन व ट्रेडमार्क तथा कापीराइट आफिस में आवेदन किए। जिनमें से 54 तकनीकों के लिए अधिकार प्रदान हुए है। पिछले 3 वर्षों में विश्वविद्यालय में 6 पेटेंट, 11 कापीराइट व 11 डिजाइन सहित कुल 28 बौद्धिक संपदा अधिकार प्राप्त हुए हैं।